डॉक्टर भी इंसान होते हैं
[Doctors are also human]

Sagar Borker, MD

Assistant Professor,
Department of Community Medicine, Dr RML Hospital, New Delhi

Corresponding Author:
Dr Sagar Borker
Department of Community Medicine, Dr RML Hospital, New Delhi
Email: sagarborker at gmail dot com

Received: 27-SEP-2016 Accepted: 05-OCT-2016 Published Online: 08-OCT-2016

सुबह को जब तैयार होकर
निकला मैं अपने हस्पताल,
मरीज़ों के फ़ोन पे फ़ोन...
भूख के मारे हाल बेहाल,
मैंने भूख से कहा ... जाने दो, बाद मे देखेंगे।

मेट्रो पकड़के हस्पताल मैं पंहुचा...
गेट पे गार्ड ने रोक लिया।
आई कार्ड के लिये जेब में हाथ जब डाला
पर्स तो कब का गुल हो गया था...
मैंने जेब से कहा ... जाने दो, बाद मे देखेंगे।

एक एक करके मरीज़ निपटाये,
गला सूखे पत्थर सा बन गया।
पानी की एक बून्द भी नसीब न हुई,
मैंने प्यास से कहा ... जाने दो, बाद में देखेंगे।

Cite this article as: Borker S. Doctors are also human. RHiME. 2016;3:44-45.

बीवी के फ़ोन पे फ़ोन,
एस ऍम एस पे एस ऍम एस,
व्हाट्स एप्प पे व्हाट्स एप्प...
आज शाम को जल्दी आना,
फिल्म देखेंगे, गोल गप्पे खायेंगे,
बच्चे के साथ मौज मस्ती करेंगे।
(बीवी से तो नहीं कह सकता)
मैंने अपने आप से कहा ... जाने दो, बाद में देखेंगे।

डॉक्टर साहब, थोड़ा कम करेंगे?
दवाई जाँच ज़रूरी है क्या?
जेब में फूटी कोड़ी नहीं है, साहब!
स्पेशलिस्ट को दिखाना ज़रूरी है क्या?
मैंने मरीज से कहा ... जाने दो, बाद में देखेंगे।

कोर्ट में से सुनवाई आई...
मरीज ने केस ठोक दिया, भाई।
जो खड़ा न हो पाता था, उसे चलने लायक बनाया – उसीने लटकादिया, साईं।
मैंने गुस्से को कहा ... जाने दो, बाद में देखेंगे।

भूख, प्यास, दर्द, थकन, बीमारी...
खैरात में लुट गयी मेरी जवानी।
मरने का वक्त जब सामने आ जाये,
यमराज से कैसे मैं कहूँ ... जाने दो, बाद में देखेंगे?